भाई और बहन का समागम

“बहन भाई की चुदाई की कहानी मेरी बुआ की बेटी के साथ यौन सम्बन्ध की है. हम दोनों की अच्छी पटती थी तो जब वह हमरे घर आती तो हम साथ ही रहते थे. हमारे बीच में सेक्स कैसे हो गया ? ...”

Story By: शिवाय 1 (shivay1)
Posted: Tuesday, July 25th, 2023
Categories: भाई बहन
Online version: भाई और बहन का समागम

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाई और बहन का समागम

बहन भाई की चुदाई की कहानी मेरी बुआ की बेटी के साथ यौन सम्बन्ध की है. हम दोनों की अच्छी पटती थी तो जब वह हमरे घर आती तो हम साथ ही रहते थे. हमारे बीच में सेक्स कैसे हो गया ?

नमस्कार अन्तर्वासना प्रेमियो, मेरा नाम रोहित (बदला हुआ) है और मैं जयपुर जिले (राजस्थान) का रहने वाला हूं।

मैं अन्तर्वासना साइट का कई साल से नियमित पाठक रहा हूं, यहां मैंने अनगिनत कहानियां पढ़ी हैं।
मुझे कुछ कहानियाँ अच्छी लगीं, कुछ बहुत ही अच्छी और कुछ में ऐसा लगा जैसे वे सिर्फ तोड़ मरोड़ करके सेक्स के प्रति अपनी भावना दर्शाने के लिए लिखी गई हों।

मेरी बहुत समय से इच्छा रही है कि यहां में भी अपनी कहानी लिखूं.
आज मैं अपनी ये इच्छा पूरी करने जा रहा हूं।

यह कहानी सच है या झूठ … यह सिर्फ मुझे पता है और जिसके साथ घटित हुई उसे पता है.
इसलिए मैं आपका अधिक समय खराब नहीं करना चाहता और कहानी शुरू करता हूं।

मैंने अपनी लाइफ में सेक्स से सम्बन्धित जो कुछ भी सीखा है, समझा है, जाना है उसमें अन्तर्वासना साइट का योगदान 90% तक है।

यह बहन भाई चुदाई की कहानी मेरी और मेरी बुआ की लड़की के बीच बने संबंधों पर आधारित है.

उसका नाम पारुल है. (बदला हुआ)

यह कहानी तब शुरू होती है जब मेरी उम्र 20 साल की थी यानि आज से ठीक 4 साल पहले।

मेरे शरीर में नई नई जवानी आई थीं और लंड किसी भी लड़की या औरत के बूब्स और गांड देख कर खड़ा हो जाया करता था।

मैं यह नहीं लिखूंगा कि मेरा लंड बहुत मोटा और बहुत लंबा है.
बल्कि मेरा एक नॉर्मल लंड है जो किसी भी चूत की प्यास को आसानी से बुझा सके, जिसकी लंबाई 5.5 इंच और मोटाई 2 इंच है।

मैंने अभी तक 2 कुंवारी और 3 शादीशुदा चूतों को चोदा है जिसमें मेरी बुआ, चाची और भाभी भी शामिल है.
उनके बारे में फिर कभी बात करूंगा।

यह कहानी मेरी पहली चुदाई के बारे में है.
अगर आपको यह कहानी पसंद आएगी और मुझे प्यार मिलेगा तो मैं बाकी चूतों की चुदाई भी लिखूंगा।

मेरी बहन की उम्र उस वक्त उम्र 18 साल की थी।
शुरू से ही हम दोनों खूब मस्ती किया करते थे।

जब भी वह गर्मियों की छुट्टियों में रहने के लिए आया करती थी।

लेकिन साल 2018 में वह आई जब हम 4 साल बाद मिले थे, वह 4-5 दिन रुकने आई थी बुआ के साथ !

हम भाई बहन से ज्यादा दोस्त बन कर रहते थे और यह बात हमारी पूरी फैमिली जानती है.

जैसे ही वह आई उसको देख के ही लंड ने सलामी देनी चालू कर दी क्योंकि उसके शरीर में पहले के मुकाबले अब काफी ज्यादा भरावट आ गई थी।

4 साल पहले उसे देखा था तब वह छोटी दिखती थी लेकिन इन 4 साल में उसके शरीर ने काफी ग्रोथ की थी।

उससे पहले मेरे मन में उसके लिए कभी भी उसके बारे में गंदे या बुरे ख्याल नहीं आए थे. लेकिन उस दिन जब देखा तो मेरे जिस्म में झुरझुरी सी दौड़ गयी.

उसका फिगर उस वक्त 32-30-32 था जो मुझे बाद में उसके ब्रा और पैंटी से मालूम चला था।

जिस दिन वह आई, उसी रात वह मेरे साथ बिस्तर पे लेटी थी और सोने की तैयारी हो रही थी।
बगल वाले कमरे में मम्मी पापा सो रहे थे जबकि बुआ हाल में सो रही थी।

शुरू से ही हमारी अच्छी बॉन्डिंग होने से हम एक दूसरे को छेड़ रहे थे और बात भी कर रहे थे।
मैं उसके हाथों को सहला रहा था और वह भी मेरे बालों में हाथ फेर रही थी।

मैंने उससे पूछा- बहना कोई बॉयफ्रेंड बनाया या नहीं ?
तब उसने कहा- लड़के तो खूब पीछे पड़े रहते हैं\ लेकिन मुझे अपने करियर पर ध्यान देना है. इन सबके लिए तो पूरी लाइफ पड़ी है।

फिर उसने मुझे पूछा- तूने गर्लफ्रेंड बनाई या नहीं ?
मैंने कहा- अभी तक तो कोई भी नहीं है।

ऐसे ही बात करते करते और उसके हाथ सहलाते सहलाते मेरा हाथ गलती से उसको बूब्स को लगा तो उसने कुछ नहीं कहा।
मेरी हिम्मत बढ़ गई और मैं भी अब जानबूझ के उसके बूब्स को टच करने लगा।

शायद उसे भी अच्छा लग रहा था क्योंकि वह भी अपना हाथ मेरे सर से उतार कर मेरे सीने पे चलाने लगी।

धीरे धीरे मैं उसका दायां बूब पूरा दबाने लगा.
वह हल्के हल्के सिसकारियां लेने लगी और साथ ही खुद का हाथ मेरे सीने से नीचे ले जाकर मेरे पजामे के ऊपर से ही सहलाने लगी।

ऐसा करते करते हम दोनों नजदीक आए और किस करने लगे।

काफी देर तक हमारी किस चली.

उसके बाद मैंने उसका टॉप उतार दिया और ब्रा में बूब्स निकल कर चूसने लगा।
उसे बहुत ही मजा आ रहा था।

फिर मैंने भी अपने कपड़े उतार दिए और उसके भी … हम दोनों नंगे हो गए।

उसका गोरा बदन और 32″ के चूचे और 32″ की ही गांड देख कर लंड और मुंह दोनों से लार टपकने लगी।

फिर मैं उसे किस करते हुए धीरे धीरे नीचे की तरफ आने लगा और उसकी कुंवारी अनछुई चूत को सूंघने लगा।

पसीने और चूत के पानी की मिली जुली (जिसे खुशबू तो नहीं कहेंगे) स्मेल काफी अच्छी आ रही थी।

मैंने उसकी चूत की फांकों को धीरे से अलग किया और सीधा अपनी जीभ उसने घुसा दी. आहाह … क्या टेस्ट आ रहा था.

जितना मजा पोर्न विडियो देख कर नहीं आया, उससे कहीं ज्यादा उसकी चूत को चूसने और चाटने में आ रहा था।
जब उसकी चूत पूरे तरीके से गीली हो गई तब मैंने अपना लंड उसके मुंह में दिया.

पहले तो उसने बहुत नाटक किए लेकिन जब मैंने थोड़ी विनती की तो उसने थोड़ी देर मुंह में लंड चूसा।

उसके बाद मैंने उसे बेड पे लिटाया.
मैंने पास में पड़ी वैसलीन की डिब्बी से उसके चूत और मेरे लंड पे थोड़ी सी वैसलीन लगाई.

फिर मैंने उसकी गांड के नीचे तकिया लगाया जिससे उसकी चूत उभर के ऊपर आ गई.
तब मैं अपना लंड उसकी चूत में डालने लगा।

जैसे जैसे लंड अंदर जाता गया, उसका दर्द बढ़ता गया और उसके आंखों में से आंसू और चूत से खून दोनों बहने लगे।

जब लंड पूरा अंदर चला गया, तब 5 मिनट तक मैं उसके ऊपर ऐसे ही लेटा रहा और उसके दर्द कम होने का इंतजार करने लगा।

लंड ने उसकी चूत में सही से जगह बना ली और वह भी नीचे से अपनी गांड हल्के हल्के

उछालने लगी.
तब मैं भी धीरे धीरे धक्के लगाने लगा।
उसे बहन भाई चुदाई में दर्द तो बहुत हो रहा था लेकिन मजा भी बहुत आ रहा था.
हर धक्के का जवाब वह नीचे से बराबर दे रही थी।

5 मिनट बाद उसकी एक हल्की सी आह निकली और उसने पानी छोड़ दिया।

चूत ज्यादा गीली होने के कारण उसमें से पच पच की आवाज आने लगी जिसे सुनकर हम दोनों बहुत हंसने लगे।

मैं अपना लंड बाहर निकाल कर उसकी चूत को फिर से चाटने लगा.

2 मिनट बाद मैं फिर से लंड को उसकी चूत में प्रवेश करके धक्के लगाने लगा.
उसे दर्द अब पहले से कम हो रहा था और मजा पहले से भी ज्यादा आ रहा था।

ऐसे ही हमें सेक्स करते हुए 15 मिनट हो चुके थे.
अब मैं भी अपनी चरम सीमा पर आ गया और वह भी दूसरी बार पानी छोड़ने के करीब आ पहुंची।

मेरे धक्कों की स्पीड बढ़ती गई और 5 मिनट बाद कोई 70-80 धक्के लगाने के बाद उसकी चूत में अपना सफेद गाढ़ा वीर्य गिरा दिया और साथ ही उसकी चूत ने दुबारा पानी छोड़ दिया.
फिर मैं थोड़ी देर उसके ऊपर ही लेटा रहा।

थोड़ी देर बाद जब लंड सिकुड़ कर अपने आप उसकी चूत से बाहर या गया तब मैं भी उसके ऊपर से उतर के साथ में लेट गया।

हमारी सांसें बहुत तेज चल रही थी लेकिन मन में सुकून और खुशी दोनों ही थी पहले सेक्स की।

उसकी चूत में वीर्य गिराने से वह थोड़ा नाराज हो गई.
मैंने उसे समझाया कि सुबह गोली लाकर दे दूंगा.
तब जाकर वह मानी।

फिर हमने एक दूसरे को किस किया और एक दूसरे को बाहों में लेकर पूरी रात नंगे ही सो गये।

सुबह शायद बुआ को हम पे शक हो गया था जिसके बारे में अगली कहानी में लिखूंगा।

सुबह 9 बजे उठे फ्रेश होकर सबसे पहले मेडिकल से उसके लिए दर्द निवारक और गर्भ निरोधक गोली लाकर दी जिससे हम दोनों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।

दिन भर वह आराम करती रही.
शाम होते होते उसका दर्द भी गायब हो चुका था और वह फिर से लंड लेने के लिए तड़पने लगी।

उसकी तबियत को देखते हुए मेरी बुआ ने कहा- आज वह रात को मेरे साथ सो जायेगी.

यह सुनते ही उसका मूड ऑफ हो गया।

फिर मैंने कहा बुआ से- बुआ जी, मैं हूँ ना, मैं ध्यान रखूंगा इसका!
पारुल ने भी मेरा साथ दिया- मम्मी, रोहित भैया को सो जाने दो मेरे पास! मैं ठीक हूँ अब!

बुआ ने मुझे तिरछी नजरों से देखा और 'ठीक है' बोल कर चली गई।

उस रात सबके सोने के बाद हमने फिर से किसिंग चालू कर दी, अबकी बार किस 15 मिनट तक चला।

बीच में हमारी सांसें रुकने को होती तो तो थोड़ा रुक के फिर से किस करना चालू कर देते।

किस करने के बाद हमने आज एक दूसरे के कपड़े उतारे.

कपड़े उतारने के बाद मैंने आज उसको आज अच्छे से तड़पाने का सोचा.
इसलिए मैं उसके पूरे बदन पे किस करने लगा, जहाँ जगह मिलती वहाँ किस करता सिवाय उसकी चूत के!

वह बार बार कहने लगी- भाई प्लीज … मेरी चूत ने क्या बिगाड़ा है तुम्हारा? उसे भी प्यार कर लो!
मैं बोला- अभी उसका टाइम नहीं आया है!

कोई 20 मिनट तक उसके पूरे बदन को चाटने चूसने और चूमने के बाद वह इतना उत्तेजित हो गई कि बिना चूत को छूए वह झड़ गई और हांफने लगी।

फिर उसके बाद मैंने उसे मेरा लंड हाथ में दिया और बोला- थोड़ा प्यार इसे भी दे!

उसने थोड़े नाटक ज़रूर किए लेकिन वह जल्दी मान गई और लंड को चूसने लगी.
आज उसके लंड चूसने का तरीका कल से अलग था. जैसे कोई एक्सपर्ट हो गई एक ही दिन में।

मुझे इतना आनंद आया कि मैं 10 मिनट में ही उसके मुंह में झड़ गया और वह सारा माल पी गई.

मैंने उससे पूछा- एक ही दिन में ये कहाँ से सीखा?

उसने बताया- आज दिन में में बोर हो रही थी तो पोर्न वीडियो देखे. उनसे मुझे मालूम चला कि लंड को कैसे चूसते हैं. अभी ट्राई किया तो अच्छा लगा इसलिए मैं करती गई और रुकी नहीं।

मैंने पूछा- तो पहले क्यों नाटक कर रही थी ?
तब वह बोली- आप जब मनाते हो ना मुझे … तब मुझे अच्छा लगता है. इसलिए मैं थोड़ा नाटक करने लगी।

10 मिनट आराम करने के बाद हम दोनों फिर से तैयार हो गए सेक्स करने के लिए !

मैंने पारुल से कहा- बहन, थोड़ा सा गीला कर दे !
उसने बिना एक पल की देरी किए लंड मुंह में लिया और खूब सारा थूक निकाल के गीला कर दिया.

फिर मैंने उसे बोला घोड़ी बनने को कहा.
वह जल्दी से बन गई.

मैं उसके पीछे गया और लंड एक ही बार में सीधा अंदर घुसा दिया.
उसकी हल्की सी सिसकी निकली.
कुछ पल रुक कर मैंने धक्के लगाने चालू कर दिए।

वह हर एक धक्के का उसी लय में बराबर साथ दे रही थी.

60-70 धक्के लगाने के बाद उस पोजिशन में थकान होने लगी तो मैंने उसे बोला पोजिशन चेंज करने को !
और मैं नीचे लेट गया।

उसके बाद उसे ऊपर लंड पे बिठाया और नीचे से धक्के लगाने चालू किए.
इस पोजीशन में लंड आसानी से पूरा चूत में जा रहा था और मजा भी दोनों को बहुत आ रहा था।

नीचे से मैं उसके बूब्स को दबा रहा था और वह उछल उछल के लंड को चूत से अंदर बाहर कर रही थी.

10-12 मिनट तक करने के बाद वह थकने लगी तो मैंने उसे बेड पे लिटा दिया और मैं उसके ऊपर आ गया.

उसके पैर मैंने चौड़े किए और लंड सीधा चूत में घुसा के स्पीड से धक्के लगाने लगा।

इस दौरान वह एक बार झड़ चुकी थी और कल की ही तरह आज भी चूत में से पच पच की आवाज आ रही थी.

जैसे ही मैंने धक्कों की स्पीड बढ़ाई, उसकी सिसकारियां भी बढ़ने लगी.

मैं बोला उसे चुप रहने को … कहीं बुआ को ना पता लग जाए!
वह बोली- कोशिश पूरी कर रही हूँ लेकिन हो नहीं रहा।

फिर मैंने उसके मुंह से अपना मुंह लगाया और धक्के लगाने लगा.
और तभी पारुल दूसरी बार झड़ गई.
उसके गर्म पानी जैसे ही मेरे लंड को छुआ, मेरे लंड ने भी हथियार डाल दिए और मैंने लंड बाहर निकाल के सारा माल उसके पेट पे गिरा दिया जिससे कुछ बूंदें उछल कर उसके बूब्स पे भी जा गिरी जिसे उसने अपने बूब्स पे ही मसल दिया।

मैंने हल्की सी नजर दरवाजे पे डाली तो कोई परछाई सी दिखी मुझे!

मैंने नजरंदाज किया उसे और हम दोनों कल की तरह एक दूसरे को बाहों में लेकर सो गए।

उस दिन के बाद से जब भी हम दोनों मिलते हैं तो खूब चुदाई करते हैं।

मैं उसे अब तक 30-35 बार चोद चुका हूँ और कई बार गांड भी मारी है.
जिससे उसका फिगर बढ़ कर 34-32-34 हो गया।

ऐसे ही चलता रहा तो जल्द ही उसकी गांड 36″ की होने वाली है।

आपको ये कहानी पसंद आई तो मैंने कैसे उसकी गांड मारी और उसकी सहेली की कुंवारी चूत को चोदा, ये भी लिखूंगा।

आशा करता हूँ कि आपको यह भाई बहन के बीच हुआ एक प्यार भरा संगम पसंद आया होगा।

अन्तर्वासना साइट पर यह मेरी पहली कहानी है.
बहन भाई चुदाई की कहानी पर आपके सुझाव और कमेंट्स का मुझे बेसब्री से इंतजार रहेगा।
shivay1897@gmail.com

Other stories you may be interested in

भाई की रखैल बनने का मजा

Xxx ब्रो सेक्स कहानी में पढ़ें कि मेरा भाई मेरी कमसिन जवानी का भोग लगाना चाहता था. वह मुझे आते जाते छूता था. मैं भी उसके लंड का मजा लेना चाहती थी खुल कर! एक दिन मुझे मौक़ा मिल गया. [...]
Full Story >>>

सेक्स की लीला- 1

मैरिड गर्ल सेक्स डिज़ायर तब और ज्यादा हो जाती है जब उसे अपने पति से पूर्ण संतुष्टि ना मिले. इस कहानी में लड़की का पति काम, नशे में इतना डूब जाता है कि वह अपनी पत्नी के सुख का ख्याल [...]
Full Story >>>

अकेली भाभी की प्यासी चूत की चुदाई

हॉट चूत Xxx कहानी में पढ़ें कि मैंने जयपुर में कमरा किराये पर लिया तो मालिक की बहू मुझ पर डोरे डालने लगी क्योंकि उसका पति पुणे में जॉब करता था. मैंने उस भाभी की गर्म चूत कैसे चोदी? मेरा [...]
Full Story >>>

मामी ने दिया जिस्म का प्यार बेहिसाब

फॅमिली आंटी सेक्स कहानी में पढ़ें कि मैं अपनी मामी को चोद चुका था. अब मैं मामा के घर गया तो उम्मीद थी कि मामी की चूत फिर से मिलेगी. लेकिन मामी ने मुझे प्यार से देखा भी नहीं. मैं [...]
Full Story >>>

टेलर मास्टर से ब्लाउज सिलवाया- 2

लेडीज़ टेलर ने मेरी गांड मारी मेरे ही घर में! उसने मेरा बहुत सेक्सी ब्लाउज सिला तो शुक्राने में उसने मेरा जिस्म मांग लिया. उसका लंड तो मैं पहले ही चूस चुकी थी. मैंने चूत गांड भी मरवा ली. कहानी [...]
Full Story >>>